Dainik Bhaskar **Date: 22.01.2020**

NEWS BRIEF

नेशनल फाइन आर्ट्स वर्कशॉप आज से

सिटी रिपोर्टर | वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में 22 जनवरी से नेशनल फाइन आर्ट्स कैम्प 'विश्वांकन 2020' शुरू होगा। इस दो दिनी कैम्प का उदघाटन 22 जनवरी सुबह 11 बजे किया जाएगा। सीनियर आर्टिस्ट आर सी भावसार मुख्य अतिथि और बिपिनचंद्र रमेश भाई पटेल विशिष्ट अतिथि रहेंगे। कैम्प सुबह 11 बजे शुरू होगा।

Dainik Bhaskar **Date: 23.01.2020**

वर्कशॉप में स्टूडेंट्स को लाइव डेमो भी दिया गया।

कार्य-कौशल को रचनात्मक आयाम देना ही कला है

फाइन आर्ट वर्कशॉप विश्वांकन 2020 में एक्सपर्ट्स ने स्टूडेंट्स को बताईं पेंटिंग्स की बारीकियां

ART WORKSHOP

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

कला व्यक्ति की सोच, भावनाओं की अभिव्यक्ति है। शब्द जब पर्याप्त न हों, तब एक कलाकार की कला उसकी मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बनती है। आर्ट, पूरी दुनिया को दृश्य साक्षरता के प्रति अधिक संवेदनशीलता प्रदान करती है। कार्य और कौशल का सृजन कर अभिव्यक्ति को रचनात्मक आयाम देना ही कला है। ये बात दो दिवसीय नेशनल वर्कशॉप विश्वांकन 2020 में शामिल मुख्य अतिथियों ने कही। वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में शुरू हुई इस वर्कशॉप में स्टूडेंट्स ने वरिष्ठ चित्रकारों से चित्रकला की बारीकियां सीखीं। डॉ. आरसी भावसार, बिपिन चंद्र रमेशभाई पटेल ने स्टूडेंट्स से बात की और उन्हें मार्गदर्शित किया। डॉ. संतोष धर और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने भी बच्चों से कहा पेंटिंग में एस्थेटिक्स, रिलेटिवनेस और थीम काफी मायने रखती है, जब तीनों का संतुलन हो तो परिणाम बेहतर मिलते हैं।

Patrika **Date: 23.01.2020**

श्री वैष्णव विद्यापीठ यूनिवर्सिटी

कलाओं के माध्यम से ही खोजा जा सकता है मनुष्यों का इतिहास

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय नेशनल आर्ट वर्कशॉप विश्वांकन 2020 प्रारंभ हुई। उज्जैन से आए वरिष्ठ चित्रकार डॉ. आरसी भावसार और अहमदाबाद के विपिन चंद्र पटेल मुख्य अतिथि थे। दोनों चित्रकारों ने पेंटिंग का लाइव डेमो भी दिया। डॉ. भावसार ने ऑइल कलर्स से और विपिन पटेल ने वॉटर कलर्स में डेमो दिया।

भावसार ने कैनवास पर कपड़े से लैंडस्केप बनाया। उन्होंने कहा, मनुष्यों का इतिहास केवल कलाओं के माध्यम से ही खोजा जा सकता है। विष्णु धर्मोत्तर पुराण के अनुसार ललित कला सभी प्रकार की कलाओं में सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने स्टूडेंट्स को कला के विभिन्न तत्वों जैसे रूप, अनुपात, भावाभिव्यक्ति और रंग आदि बारे में बताया। उन्होंने कहा, चित्र बनाते समय अनुपात का ध्यान रखना जरूरी है। अगर गाय का चित्र बना रहे हैं तो वह गाय ही दिखे कुछ और नहीं। दूरी और गहराई का भी ध्यान रखें। उन्होंने ललित कला के लिए नृत्य, संगीत और साहित्य का अध्ययन करना भी आवश्यक बताया। कला पूजा की तरह होती है, यह एक कठिन काम है।

पटेल ने वॉटर कलर में लैंड स्केप बनाया। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा, अच्छा चित्र बनाने के लिए बहुत महंगा कागज और महंगे कलर जरूरी नहीं है। आप का यह अध्ययन काल है, इसलिए सस्ते कागज पर ज्यादा से ज्यादा अभ्यास करो। असली चीज अभ्यास है, जिससे आप का कला कौशल निखरेगा।

वर्कशॉप के उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. उपिंदर धर और डीन डॉ. संतोष धर भी मौजूद थीं। डॉ. उपिंदर धर कहा, कलाकार की रचनात्मकता को समझना चाहिए। विश्वांकन 2020 नवोदित कलाकारों के लिए अनुभवी कलाकारी से सीखने का एक अवसर है, जिन्होंने अपनी क्षमता से महान काम किया है। डॉ. संतोष धर ने कहा, कला व्यक्ति की सोच, भावनाओं और इच्छाओं की अभिव्यक्ति है। केवल शब्द पर्याप्त नहीं हैं। कला हमें संवेदनशीलता प्रदान करती है। इस कार्यशाला में प्रतिभागी अपने कौशल को बढ़ाएंगे और विभिन्न चित्रकला शैलियों का पता लगाएंगे।

People Samachar **Date: 23.01.2020**

12वां छत्रपति शिवाजी पब्लिक स्कूल को मिला।

विश्वांकन 2020

श्री वैष्णव विश्वविद्यालय में दो दिवसीय नेशनल वर्कशॉप में प्रतिभागी कौशल और चित्रकला की बारीकियों से होंगे रूबरू

'सपने उन लोगों के लिए हैं, जो उन पर विश्वास करते हैं'

IAmIndore • इंदौर

editor@peoplessamachar.co.in

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय नेशनल वर्कशॉप विश्वांकन 2020 का शुभारंभ बुधवार को किया गया। संयोजक डॉ. संतोष धर ने वर्कशॉप विश्वांकन के बारे में बताया कि कला व्यक्ति की सोच, भावनाओं और इच्छाओं की अभिव्यक्ति है। शब्द अकेले पर्याप्त नहीं हैं। कला पूरी दुनिया को दृश्य साक्षरता के प्रति अधिक संवेदनशीलता प्रदान करती है। कला का उद्देश्य मूल कार्य और कौशल का सृजन करके नवोदित कलाकार बनाना है, ताकि रचनात्मकता का विश्लेषण किया जा सके। दो दिनों की कार्यशाला में प्रतिभागी अपने कौशल को बढ़ाएंगे और विभिन्न चित्रकला शैलियों को जानेंगे।

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने कहा कि एक व्यक्ति को हाथों की रचनात्मकता को समझना चाहिए। विश्वांकन 2020 नवोदित कलाकारों को अनुभवी कलाकारों से सीखने का एक अवसर भी देता है, जिन्होंने अपनी क्षमता से महान काम किया। बिपिन पटेल ने भी छात्रों को अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि सपने उन लोगों के लिए हैं, जो उन पर विश्वास करते हैं। कलाकार मर सकता है, मगर उसकी कला हमेशा जीवित रहती है।

डॉ. भावसार ने कहा कि मनुष्यों का इतिहास केवल कलाओं के माध्यम से ही खोजा जा सकता है। विष्णु धर्मोत्तर पुराण के अनुसार ललित कला सभी प्रकार की कलाओं में सर्वश्रेष्ठ है। कला के विभिन्न तत्व रूप, अनुपात, अभिव्यक्ति, रंग आदि के भेद के बारे में भी विस्तार से बताया। ललित कला के लिए नृत्य कला, संगीत, गायन और साहित्य का अध्ययन करना भी आवश्यक है।